सूचना प्रौद्योगिकी

आईसीटी परिदृश्य के विविधीकरण और डिजिटल इंडिया पहल के साथ, सरकार के लिए यह बिल्कुल जरूरी हो गया है कि वह उपयोगकर्ता की बदलती अपेक्षाओं के मद्देनजर गुणात्मक और मात्रात्मक परिवर्तन लाए। वर्ष 2023–24 में कोयला मंत्रालय ने एनआईसी के साथ मिलकर विभिन्न पोर्टलों के माध्यम से आईटी कार्य वातावरण और सेवा वितरण में मानकीकरण और सुधार और सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम, कोयला आयात निगरानी प्रणाली (सीआईएमएस), कोयला परियोजना निगरानी पोर्टल, कोयला खानों की स्टार रेटिंग आदि जैसी ई–गवर्नेंस परियोजनाओं के कार्यान्वयन की दिशा में कड़ी मेहनत की है।

साइबर सुरक्षा को दी गई प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) का नामांकन, साइबर संकट प्रबंधन योजना (सीसीएमपी) तैयार करना, सुरक्षा दिशा–निर्देशों का अनुपालन आदि जैसी साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना और बढ़ाना सुनिश्चित करने के लिए कोयला मंत्रालय और कोयला मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा नियमित आधार पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

अक्टूबर'23 के महीने के दौरान, जिसे राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया गया है, कोयला मंत्रालय ने मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और संगठनों को वर्तमान साइबर सुरक्षा चुनौतियों के बारे में संवेदनशील बनाने और अपने संगठनों में लागू करने के लिए सर्वश्रेष्ठ साइबर सुरक्षा पद्धतियों को अपनाने के लिए **'साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला'** का आयोजन किया।

इसके अतिरिक्त, साइबर स्वच्छता के बारे में सूचना सोशल मीडिया हैंडलों के माध्यम से और अधिकतम जागरूकता के लिए मंत्रालय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विभिन्न स्थानों पर लगाए गए बैनरों/स्टैंडों के माध्यम से भी प्रसारित की जा रही है।

कोयला मंत्रालय ने लोगों को जोड़ने के लिए अपने मीडिया आउटरीच में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। नियमित प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से, मंत्रालय ने प्रमुख पहलों, नीतियों और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया है। कोयला मंत्रालय की एक्स (ट्विटर), फेसबुक, कू, इंस्टाग्राम, थ्रेड और लिंक्डइन सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर सक्रिय उपस्थिति है, जो जुड़ाव और पारदर्शिता को बढ़ावा देते हुए वास्तविक समय के अपडेट प्रदर्शित करते हैं। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने प्रमुख समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में लेखों के माध्यम से सूचित सार्वजनिक संवाद में योगदान दिया है, जो स्थिरता के साथ–साथ कोयला क्षेत्र के विकास में गहराई से अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह मीडिया रणनीति प्रभावी संचार और जन जागरूकता के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।